ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड – VIII अंक – I

अप्रैल, 2016

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में:

- प्रमाणित कृषि उद्यमियों द्वारा कृषि सलाहकारी सेवाएं: निजी विस्तार सेवाओं को सक्षम बनाने के लिए मैनेज द्वारा प्रारंभ की गयी सेवा
- कृषि उद्यमिता में प्रतिभाशाली बनने के लिए कृषि उद्यमियों के लिए विषय आधारित पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरटीपी)
- एग्री एक्सपो 2016 , आंध्र प्रदेश
- इस माह के कृषि उद्यमी:: श्री लोंगशियांग लोथा,धीमापूर, नागालैंड:
- इस माह का संस्थान:एसएसवीपी-पुणे एसी एवं एबीसी की प्रगति योजना
- ओमन कंपनी को सलाह दे रहे भारतीय कृषि उद्यमी श्री शेख अकबर अली

कृषिउद्यमी की मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें

1800 –425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

कृषि उद्यमियों द्वारा कृषि सलाहकारी सेवाएं: निजी विस्तार सेवाओं को सक्षम बनाने के लिए मैनेज द्वारा प्रारंभ "

देश में निजी विस्तार सेवा को सक्षम बनाने के लिए एग्रिक्लिनिक्स एवं एग्रि बिजिनेस केन्द्रों की योजना के तहत प्रशिक्षित स्थापित एग्रिप्रेन्यूरों में से कृषि सलाहकार संकल्पना को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमाणित एग्रिप्रेन्यूरों द्वारा कृषि सलाहकारी सेवाएं एक वर्चुअल वेब-एनेबुलड प्लैटफार्म है। इसका उद्देश्य फसल और स्थान आधारित सलाहकार सेवाओं को विस्तारित करने के लिए किसान और प्रमाणित एग्रिप्रेन्यूरों के बीच संपर्क को मजबूत बनाना है। स्थापित कृषि उद्यमियों से अनुरोध किया जाता है कि वे अपने व्यवसाय/उद्यम, अपना योगदान तथा विशेष फसल/उद्योग में प्राप्त निपुणता के विवरण विशेष रूप से तैयार किए गए आवेदन पत्र में सूचित करें। आवेदन पत्र प्रोफार्मा [link: http://14.139.87.205:8083/] पर वेबसाईट में उपलब्ध है। कृषि सलाहकार का प्रोफाईल, विशेषज्ञता का क्षेत्र तथा फसल/उद्यम या सेक क्षेत्र मैनेज वेबसाईट पर दिया जाएगा। कृषि सलाहकारी कार्यक्रम को मैनेज कार्यक्रमों तथा आई सी टी टूल्स के माध्यम से व्यापक प्रचार किया जाएगा ताकि रूचि रखने वाले किसान कृषि उद्यमियों से भुगतान के आधार पर सलाहकारी सेवाओं का उपयोग कर सकते है। सेवा नियम तथा भुगतान संबंधी विषय होगा। सभी कृषि उद्यमियों से आवेदन लगातार स्वीकृत किए जाएंगे। यह कार्यक्रम तुरन्त प्रारंभ किया जाएगा। कृषि उद्यमियों से अनुरोध है कि वे प्रोफार्मा भरकर अपना जवाब डॉ. पी.कनका दुर्गा को ई-मले: kanakad@manage.gov.in/ kanaka.manage@gmail.com, मो.: 09010030111 पर मेल कर सकते है। प्रथम तिमाही बैठक में विचार करने हेतु उन्हें 5 मई तक भेज दें।

कृषि उद्यमिता में प्रतिभाशाली बनने के लिए कृषि उद्यमियों के लिए विषय आधारित पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरटीपी)

कृषि लगभग 500 स्थापित कृषि एग्रि-क्लिनिक एवं एग्रि-बिजिनेस क्षेत्र के प्रोयोजित योजना के अधीन पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम से कम तीन साल के अनुभवी स्थापित एग्रिप्रेन्यूरों का उनसे चयनित क्षेत्रों के ज्ञान का नवीकरण तथा उनके बिजिनेस लिकेजों को उन्नत कर बैंकों के साथ संबंध स्थापित करना है।

पृष्ठ 2.....

.....इसे दृष्टि में रखकर, मैनेज द्वारा विषय आधारित पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए गए है, जिसमें विभिन्न राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान और ग्रामीण विकास संस्थान सम्मिलित है वे इस प्रकार है – राष्ट्रीय पौध स्वास्थ्य प्रबंध संस्थान (NIPHM), हैदराबाद, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं अनुसंधान पंचायती राज संस्थान (NIRD &PR), हैदराबाद, कुक्कुट पालन अनुसंधन निदेशालय (DPR), हैदराबाद, भारतीय बागवानी अनुसंधन संस्थान (IIHR), बेंगलूरू; राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान [NDRI], करनाल, हरियाणा; केन्द्र फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान (CFMTTI), बुदनी, मध्यप्रदेश; स्टेट बैंक ग्रामीण विकास संस्थान (SBIRD), हैदराबाद तथा राष्ट्रीय कृषि विकास प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद। कृषि उद्यमियों से अनुरोध है कि संबंद्ध विषय का चयन कर उनकी कृषि उद्यमिता को बढाने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लें। योग्यता एवं अन्य नियमों एवं विवरणों के लिए [link: http://www.agriclinics.net/rtp2016-17.pdf] www.manage.gov.in. को देखें। नामांकन संबद्ध परामर्शक को भेजें। जो कृषि उद्यमी इससे पूर्व पुनश्चर्या प्रशिक्षण में भाग ले चुके है फिर भी इस कार्यक्रम में भाग ले सकते है परंतु किसी अन्य विषय को चुनना होगा।

आंध्र प्रदेश में एग्रि एक्सपो 2016

गुंटूर/विजयवाड़ा में मई अंतिम सप्ताह के दौरान कृषि/बागवानी पर आंध्र प्रदेश सरकार एक प्रदर्शनी आयोजित करने की योजना बना रहा है। मैनेज विशेष रूप से एग्रिप्रेन्यूरों के लिए एक एनक्लेक्स लेने की योजना बना रहा है ताकि आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के एग्रिप्रेन्यूरों को किसानों में अपनी सेवाएं प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा चयनित एग्रिप्रेन्यूरों के लिए मैनेज निशुलक स्टॉल की व्यवस्था करेगा। यात्रा व्यय, आवास एवं भोजन का व्यय एग्रिप्रेन्यूरों को करना होगा। रूचि रखने वाले एग्रिप्रेन्यूर डॉ.आर. उन्नी कृष्णन से संर्क करें वे उनके ई-मेल: runnikrish-nan@manage.gov.in, मो.: 09912742634 30 जून 2016 से पहले संपर्क करें। चुने गए एग्रिप्रेन्यूरो को आवश्यक तैयारियों हेतु पहले ही बता दिया जाएगा।

उत्तर पूर्व में रबड़ विस्तार की व्यापकाता

श्री लोंगशियांग लोथा (44) धीमापूर, नागालैंड के कृषि विज्ञान के स्नातकोत्तर है। उनका कहना है कि उनके अपनी श्रगह के स्थानीय अनुसूचित जातियों द्वारा झुमा की खेती की जाती है तथा अन्य गाँव के परिस्थितिकी पर दुष्प्रभाव ही नहीं पड़ रहा था परंतु उत्पादन एवं उत्पादकता भी प्रभावित हो रहे थे। श्री लोथा का कहना था कि "योग्य कृषक होने के नाते मैं इस कृषि को रोक कर स्थाई कृषि को प्रारंभ करवाना चाहता या जो किसानों की आय को ही वृद्धि नहीं करता परंतु परिस्थिति की सततता के लिए उचित है।" लगभग 10 साल से श्री लोथा मैन्डरिन, बाँस तथा उसर भूमि में धास्थ की खेती बायो-रिसोर्स मिशन के माध्यम से करना प्रारंभ किया है। इस समय के दौरान उन्होंने रबड़ के दोहन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जो उनके क्षेत्र में इस प्रकार का पहला कार्यक्रम था। पहाड़ी क्षेत्रों में रबड़ के पेड़ो को बढ़ाने की सशक्तता एवं उससे होने वाली आर्थिक मुनाफों को ध्यान रखते हुए श्री लोथा ने धिमापुर क्षेत्र में रबड़ प्लैंटेशन परियोजना प्रारंभ करने का निर्णय लिया। वर्ष 2013 में श्री लोथा ने बायो-रिसोर्स मिशन में अपनी नौकरी को इस्तीफा दे दी और एग्रि क्लिनिक्स एवं एग्रि बिजिनेस केंद्र योजना के तहत दो माह की निशुल्क आवासीय प्रशिक्षण जो नॉर्थईस्ट नगा ट्रेडर्स प्राईवेट लिमिटेड, धिमापुर, नागालैंड में चल रहा था। इनका लक्ष्य कृषि आय में वृद्धि करना तथा परंपरागत झुमा कृषि को समाप्त करना था और इस कारण उन्होंने ग्रीन एण्ड ब्लू रबड़ प्रोड्यूसर सोसाईटी, प्यांग्सा गाँव नागालैंड में पंजीकृत करवाया। लोथा ने भारतीय रबड़ बोर्ड से संपर्क कर उनके ग्रीन एण्ड ब्लू रबड़ प्रोड्यूसर सोसाईटी के माध्यम से एक परियोजना प्राप्त किए है। वर्तमान में केवल जनसंख्या गाँव में अनुसूचित जाति के प्लैंटेशन परियोजना के तहत 30 एकड़ भूमि को रबड़ प्लैंटेशन के अधीन लाया गया। अन्य 50 एकड़ भूमि को भी परियोजना क्षेत्र के बाहर रबड़ प्लैंटेशन में लगाया गया है। परियोजना क्षेत्र में यह सोसाईटी रबड़ के पौधों को मुफ्त में सप्लाई करता है और समयानुसार तकनीकी सलाह भी देता है। रबड़ कृषि की मूल्य को पहचानकर आज लगभग 200 रबड़ कृषक इस सोसाईटी से जुड़े हुए है। इस से पहले अनुसूचित जाति के समुदाय के लोग धान की कृषि या जंगली उत्पादनों पर निर्भर रहते थे परंतु अब वे रू. 75,000/- से रू. 90,000/- खंड कृषि के प्रति एकड़ से प्रति वर्ष कमाने लगा। वर्ष 2016 से यह सोसाईटी अनुसूचित जाति के समुदाय के लोगों को रबड़ की कृषि अपनाने हेतु सेमीनार प्रशिक्षण, शिक्षण दौरे, डेमॉन्स्ट्रेशन आदि आयोजित कर रहा है।

श्री लोंगशियांग लोथा, रबड़ फर्म में

जनजातीय परियोजना के तहत रबड़ वृक्षारोपण

श्री लोथा का कहना है कि रबड़ कृषि का एक हेक्टेर 4.5 मी.X4.5 मी. (दीर्घ चतुरसा क्षेत्र) जिसमें करीब 500 पौध रख सकते है। अनुमानित दर रू. 1,57,,000/- है जो 6 वर्षो तक चलेगा और कुल लगभग 1,400 कि.ग्रा. से 1,700 कि.ग्रा. लेटेक्स प्रति हेक्टेर पाने की आशा की जा सकती है। उनका यह भी कहना है कि बाज़ार दरों में परिवर्तनों के आधार पर रू. 2-3 लाख मुनाफा पाया जा सकता है। रबड़ कृषि इसे जिले में किसानों की आय एवं परिस्थितिकी के संरक्षण के माइने में इस जिले में धनात्मक परिणाम लाया है। इस सोसाईटी का वार्षिक टर्नओवर रू. 80 लाख है और इसमें छः व्यक्ति नौकरी कर रहे है।

श्री लोंगशियांग लोथा

मकान नं..-32, क्योंग कॉलोनी, (सेवक गेट नं..3), दिमापुर - 797112, नागालैंड. मो.नं.: 8014690495, 03862-280853,

ई-मेल: longshilotha@gmail.com

श्री महेन्द्र दहिबर
नोडल अधिकारी

नाम एनटीआई: शाश्वत शेटी विकासप्रतिष्ठा(एसएसवीपी), पुणे.

पता: 1187/67, गुरूहलक्ष्मी, बालगंधर्व चौक के नजदीक, जे.एम. रोड, शिवाजीनगर, पुणे - 411 005, महाराष्ट्र,फोन सं.:020-60500007

मो.नं. : 9922708398

ई-मेल:ssvptraining@gmail.com

वेबसाईट:www.ssvpindia.com

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या : 17

प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या: 546

स्थापित वेंचर्स की संख्या: 271

सफलता दर: 49.63%

स्थाषपत एग्री-िेंचर: एग्री - क्लीषनक, डेरी एकक, पौल्री, नसयरी, जैि-उियरक एकक, कें चुआ खाद एकक, दूध एकत्रण

कृषि उद्यमियों के लिए ऑनलाईन बैंक योग्य परियोजना रिपोर्ट

एस एस सी वी पी का नवीन कार्य बैंक से ऋण प्राप्त करने एग्रिप्रेन्यूरों के लिए आवश्यक अभिलेखों में बैंक योग्य परियोजना रिपोर्ट भी एक है। उसे सावधानी से सभी विवरणों के साथ वित्तीय संस्थानों के अनुमोदन के आश्वासन हेतु तैयार करना होगा। शाश्वत शेटी विकास प्रतिष्ठान (एसएसवीपी), पुणे, महाराष्ट्र ने एक वेबसाईट www.downloadprojectreport.com खोला जिसमें किसानों एवं एग्रिप्रेन्यरो के लिए प्रॉजेक्ट रिपोर्ट तैयार किए जाएंगे। इस ऑनलाईन सेवा का सर्मर्थन योग्य एवं दक्ष अनुसंधान दल द्वारा किया जाएगा जिसमें चार्टर्ड अकाऊंटेंट, कन्सलटेंट, विषय विशेषज्ञ, इंजिनीयर, बैंक अधिकारी है जिन्हें अपने-अपने क्षेत्र में व्यापक अनुभव है। रोज लगभग 500 कृषि उद्यमी इस वेबसाईट को देखते हैं और 2,000 से अधिक एग्रिप्रेन्यूर इस साईट क पेईड मेंमबर बने हैं। इस वेबसईट का लिंक www.agriclinics.net पर है और ए सी ए बी सी योजना के तहत नोडल प्रशिक्षण संस्थानों को सारी सेवाएं नि:शुल्क प्रदान की जाती है। यह वेब साईट विशेषज्ञों के साथ लाईव चैट करने की सुविधा भी देती है। इस साईट से एग्रि बिजिनेस वीडीयो लेक्चर्स भी देख सकते है। www.downloadprojectreport.com साईट को देखें। अन्य विवरणों के लिए श्री महेन्द्र दहिबर से संपर्क करें।

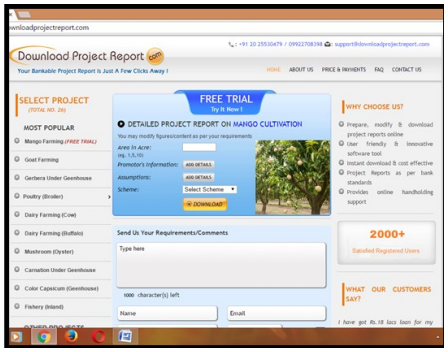

राष्ट्रीय पौध स्वास्थ्य प्रबंध संस्थान (एन आई पी एच एम)

राष्ट्रीय पौध स्वास्थ्य प्रबंध संस्थान कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक प्रमुख स्वायत्त संस्थान है जिसका अधिदेश बदलते कृषि-परिवेशिक स्थितियों में पर्यावरण के अनुसार सतत रहने वाले पौध स्वास्थ्य प्रबंध प्रणालियों को बढ़ावा देना है। एन आई पी एच एम के पौध स्वास्थ्य प्रबंधन कार्यक्रमों की केन्द्र बिन्दु फार्मर फील्ड स्कूल के माध्यम से इकोलॉजिक्ल इंजिनीयरिंग के साथ जोड़कर कृषि-पारिवेशिक स्थिति विश्लेषण आधिरित पौध स्वास्थ्य प्रबंध को बढ़ावा देना है। एन आई पी एच एम जैवसुरक्षा प्रबंध, प्लैट क्वारन्टाईन, सैनिटरी व फोटो सैनिटरी मुद्दो, कीटनाशकों का प्रबंध, कृतंत्र/कशेरूकाओं (वर्टिब्रेट) का प्रबंध, जैवनियंत्रक ऐजेंटों का उत्पादन तथा समेकित पोषक व खरपतवार प्रबंध पर प्रशिक्षण देता है। यू एस अधारित कार्यक्रमों के द्वारा एन आई पी एच एम के संकाय की दक्षताओं में वृद्धि हुई। एन आई पी एच एम कृषि विभाग, ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से दक्षिणी एसिया में एस पी एस के दक्षता निर्माण में सम्मिलित एग्रि प्रेशर के नकनीकी कौशलों को दृढ़ीकरण के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने मैनेज, हैदराबाद: एन आई पी एच एम का सहयोग ले रहा है। विवरणों के लिए : http://niphm.gov.in/Institute.html

2015-2016 के दौरान एग्री क्लीनिक और एग्री बिजनेस केंद्र (एसीएबीसी) योजना की प्रगति

विवरण	2002-2016	2015-2016
प्रशिक्षित उम्मीदवारों की संख्या	47815	5258
कृषि उद्यमों की संख्या	20448	2587
सफलता दर	42.76%	49.20%

ओमन कंपनी को सलाह दे रहे भारतीय कृषि उद्यमी श्री शेख अकबर अली

श्री शेख अकबर अली, एक एम्वाप्रेन्यूर है, जिन्होंने बोज्य वेंक्ट रेड्डी एग्रिकल्चरल फाउन्डेशन, नंदयाल, आंध्र प्रदेश में अपना प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद के वर्ष 2010 में "इन्फरमेशन एण्ड इनपुट्स फर सस्टेनबुल एम्वाकल्चर (आईआईएफएसए)" के नाम से आकिवीडु गाँव, पश्चिम गोदावरी जिला आंध्र प्रदेश, भारत में एम्वाकल्चर सर्वीस प्रदायक कंपनी की स्थापना की। आई आई एफ एस ए का मुख्य कार्य एम्वाकल्चर, तकनीकी अंतरण और फार्म प्रबंध आदि के क्षेत्र में सलाहकार सेवाएं भारत के नवीन एवं वर्तमान एक्वाकल्चर फार्म्स के सेवाएं प्रदान करना है। आई आई एफ एस ए हाल ही में ओमन की कंपनी (सिम्लिसिटी और पार्टनर) के साथ एम ओ यू तय किया है। एस व पी ओमन में स्वच्छ जल/मेराइन मछली पालन को बढ़ावा देने में सम्मिलित है। इस एम ओ यू के साथ आई आई एफ एस ए ने अंतरर्राष्ट्रीय बाजार में अपना पहला कदम रखा है। इस एम ओ यू की एक मुख्य बिन्दु एस व पी के द्वारा दक्ष एवं रूचि रखने वाले किसानों के द्वारा ओमान में स्वच्छ जल/मेराईन मछली पालन को बढ़ावा देने में सहयोग देना है। अन्य विवरणों के लिए श्री शेख अकबर अली मकान सं. 9-25, गवरावकम, एलूरू – 534002, पश्चिमी गोदावरी, आं.प्र. को : + 91 9000948599, ई-मेल: iifsaoffice@gmail.com, akbar@iifsaoffice.in

आई आई एफ एस ए हाल ही में ओमन की कंपनी (सिम्लिसिटी और पार्टनर) के साथ एम ओ यू तय किया है।

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

कृषि उद्यमी उद्यमवृत्ति विकास केंद्र (सीएडी),
राष्ट्रीय कृषि विस्तारण प्रबंध संस्थान (मैनेज,)राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500 030, भारत
ई-मेल: indianagripreneur@manage.gov.in

"कृषि उद्यमी " श्रीमती वी.उषा रानी, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज द्वारा प्रकाशित है।
मुख्य संपादक : श्रीमती वी. उषा रानी, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज
संपादक : डॉ. पी. चन्द्रशेखर, निदेशक (कृषि विस्तार), डॉ सरवनन राज , निदेर्शक,(कृषि विस्तार)
सहायक संपादक : डॉ. लक्ष्मी मूर्ति, श्रीमती. ज्योति सहारे
हिन्दी अनुवाद : डॉ. के. श्रीवल्ली

अधिक प्रश्नों हेतु, कृपया indianagripreneur@manage.gov.in पर संपर्क करें।